प्रदर्शन

करीब 5 घंटे तक एनएच-45 पूरी तरह जाम रहा, प्रशासन ग्रामीणों के गुस्से के आगे बेबस नजर आया

नेशनल हाईवे या मौत का रास्ता? कुटेली दादर में फूटा गुस्सा

करंजिया, नवभारत 9 अप्रैल। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत उमरिया वन ग्राम कुटेली दादर में आज वो हुआ, जो अक्सर तब होता है जब सिस्टम सुनना बंद कर देता है। करोड़ों के विकास के दावे करने वाला प्रशासन गुरुवार को ग्रामीणों के गुस्से के आगे बेबस नजर आया।

एनएच-45 अमरकंटक जबलपुर मार्ग, जिसे कागजों में नेशनल हाईवे कहा जाता है, जमीनी हकीकत में अब गड्ढों का कब्रिस्तान बन चुका है। इसी बदहाली से तंग आकर सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर चकाजाम कर दिया और प्रशासन की नाकामी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

सड़क नहीं, जानलेवा जाल

ग्रामीणों का साफ कहना है कि यह हाईवे नहीं, हादसों का न्योता है। गड्ढों में सड़क ढूंढनी पड़ती है। सड़क पर इतने गहरे गड्ढे कि बिना बारिश के भी जलभराव, रोजाना दुर्घटनाएं, दो पहिया-चार पहिया वाहन हो रहे अनियंत्रित, मरीजों को अस्पताल ले जाना तक जोखिम भरा सफर बन गया है।

आवेदन दिए, लेकिन फाइलों में दफन

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार आश्वासन का लॉलीपॉप थमा दिया गया। सवाल ये है कि आखिर कब तक जनता को झूठे वादों से बहलाया जाएगा?

जब जाम लगा, तब जागा प्रशासन

करीब 5 घंटे तक एनएच-45 पूरी तरह जाम रहा। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, यात्री परेशान होते रहेज और तब जाकर प्रशासन की नींद टूटी।मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने वही पुराना राग अलापा कि जल्द मरम्मत कराएंगे, गड्ढे भरेंगे। लिखित और मौखिक आश्वासन के बाद किसी तरह जाम खत्म हुआ, लेकिन सवाल वही कि क्या इस बार भी वादे फाइलों में दफन होंगे?

अबकी बार आर-पार

ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है, अगर जल्द काम शुरू नहीं हुआ, तो अगली बार सिर्फ सड़क नहीं, पूरा जिला ठप करेंगे। सवाल जो प्रशासन से जवाब मांगते हैं कि क्या हर बार हादसों के बाद ही प्रशासन जागता है? और आखिर कब तक जनता गड्ढों में अपनी जान जोखिम में डालती रहेगी?

रेड क्रॉस ने थामा कैंसर पीड़ित दंपत्ति का हाथ

एम्स भोपाल में होगा इलाज, पांच हजार रूपये की उपलब्ध कराई आर्थिक सहायता

नवभारत उमरिया 9 अप्रैल। समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की शाखा उमरिया द्वारा एक सराहनीय और मानवीय पहल की गई है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक दंपत्ति को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की गई, बल्कि उनके बेहतर इलाज के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थान में व्यवस्था भी सुनिश्चित की।

दंपत्ति लंबे समय से कैंसर की बीमारी से पीड़ित हैं-रेड क्रॉस सोसायटी की इस पहल को जिले में मानव सेवा के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। जिले के वार्ड क्रमांक 13 निवासी दंपत्ति लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। पति-पत्नी दोनों का इलाज चल रहा है, लेकिन सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण इलाज, यात्रा, दवा और दैनिक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया था।

आर्थिक संकट ने स्थिति जटिल बना दी-बीमारी के साथ-साथ आर्थिक संकट ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया था, जिससे समय पर और बेहतर इलाज मिल पाना चुनौती बन गया था। ऐसे संवेदनशील समय में रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दंपत्ति की सहायता के लिए तत्काल कदम उठाते हुए पांच हजार रूपये की आर्थिक सहायता कलेक्टार धरणेन्द्र कुमार जैन के हाथो दिलाई गई।

उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा-रेड क्रॉस सोसायटी के सतत प्रयासों और समन्वय से अब इस दंपत्ति का इलाज देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस भोपाल में सुनिश्चित किया गया है। एम्स भोपाल में इलाज मिलने से मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार की संभावना बनेगी।

आयुष्मान भारत योजना के तहत होगा इलाज-रेड क्रॉस सोसायटी ने पीड़ित दंपत्ति को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाया गया। इस योजना के तहत अब उनका इलाज कम खर्च या नि:शुल्क हो सकेगा, जिससे आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के अध्यक्ष एवं कलेक्टर धरणेंद्र कुमार जैन, सचिव राकेश शर्मा, जूनियर रेडक्रॉस मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह ,सभापति अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे ।

सिलगी नदी में गूंजा 'जल ही जीवन है' का संदेश, बरगांव में किया गया सामूहिक श्रमदान

शहपुरा नवभारत 9 अप्रैल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड शहपुरा के ग्राम बरगांव में सिलगी नदी तट पर सामूहिक श्रमदान एवं जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग समन्वयक रवि बर्मन विशेष रूप से शामिल हुए और उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ नहीं बहाएं। अगर बचेगा जल, तभी सुरक्षित होगा कल। मां नर्मदा परिक्रमा वासी आश्रम में आयोजित जल संवाद कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके पश्चात सिलगी नदी का विधिवत पूजन कर स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु सामूहिक श्रमदान किया गया। उपस्थित जनों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल बचाने और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान, विकासखंड समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य, नवांकुर संस्था प्रभारी शंभु विश्वकर्मा, डूमारी चक्रवर्ती रामलाल रजक, मेंटर्स कमल साहू, गोपाल रैदास, नीलेश सहित प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं सीएमसीएलडीपी छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सच्ची मित्रता में न कोई छोटा होता है, न बड़ा : पं. तिवारी

सात दिवसीय भागवत कथा का समापन

शहपुरा नवभारत 9 अप्रैल। शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरबसपुर (मानिकपुर) स्थित गुरुधाम तमकेश्वर आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण साप्ताहिक महायज्ञ संगीतमय कथा का समापन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ।

सात दिवसीय कथा के अंतिम दिन कथावाचक मुकेश तिवारी ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथावाचक ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने निर्धन सखा सुदामा के चरण पखारकर सच्ची मित्रता और विनम्रता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सुदामा द्वारा लाए गए तीन मुट्ठी चावल के बदले श्रीकृष्ण ने उन्हें तीनों लोकों का वैभव देने का भाव मन में रखा। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता में न कोई छोटा होता है, न बड़ा। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजकों ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

तीन महीने की बेबसी खत्म, तेलंगाना से छुड़ाए गए 26 मजदूर

प्रशासन ने दिलाई बकाया मजदूरी, घर लौटते ही मजदूरों के चेहरों पर सुकून और राहत की दिखी झलक

डिंडोरी, नवभारत 9 अप्रैल। परदेस की बेबसी, बकाया मजदूरी और घर लौटने की तड़प—तीन महीने तक जिन हालातों में 26 मजदूरों ने दिन काटे, उसका आखिरकार अंत हो गया।

जिला प्रशासन की सक्रिय पहल और एक स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से तेलंगाना के भद्राद्री जिले से सभी मजदूरों को सुरक्षित छुड़ाकर गुरुवार को डिंडोरी वापस लाया गया। घर लौटते ही मजदूरों के चेहरों पर सुकून और राहत साफ झलक दिख रही थी। प्रशासन ने न केवल उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया, बल्कि सबसे बड़ी राहत देते हुए करीब 5 लाख 96 हजार की बकाया मजदूरी भी दिलाई।

जनसुनवाई से शुरू हुई कार्रवाई-इस पूरे मामले ने तब तूल पकड़ा, जब 31 मार्च की जनसुनवाई में मजदूर लखन मरावी की बेटी रोशनी ने कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया से अपने पिता सहित अन्य मजदूरों को वापस लाने की गुहार लगाई।मामले की गंभीरता को समझते हुए कलेक्टर ने बिना देरी किए श्रम, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और यहीं से शुरू हुआ राहत का रास्ता।

मजदूरी के नाम पर फंसे थे-जानकारी के मुताबिक मेहंदवानी जनपद पंचायत के सुखलोंडी, पिंडरुखी और धनगांव के ये मजदूर 10 जनवरी को ठेकेदारों के साथ मिर्ची तोड़ने तेलंगाना गए थे। लेकिन तय समय पूरा होने के बाद भी मजदूरी नहीं दी गई, घर लौटने की अनुमति नहीं मिली, मजदूरों को तरह-तरह से रोके रखा गया। आखिरकार मजदूरों ने टोल फ्री नंबर पर शिकायत की, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और तेलंगाना प्रशासन के समन्वय से सभी को सुरक्षित मुक्त कराया गया।

प्रशासन की अपील-कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मजदूरों से अपील की है कि ज्यादा मजदूरी के लालच में दूसरे राज्यों में जाने से बचें। किसी भी ठेकेदार के बहकावे में नहीं आएं, पहले पूरी जानकारी और पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं और पात्र मजदूरों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे कई गांवों के ग्रामीण

पेमेंट नहीं मिलने से नाराज दर्जनों गांव के टंकी सप्लायर हड़ताल पर, पहुंचे जनसुनवाई में

चिल्हारी नवभारत 9 अप्रैल। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा कई करोड़ रुपए खर्च करके नल जल योजना चालू की गई, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि चिल्हारी, इंदवार, टिकुरी, चन्सुरा, सुखदास, अमरपुर, बचहा, पलझा, चंदवार, चन्सुरा, पनपथा, महरोई आदि गांवों में बीते एक हफ्ते से नल से जल लोगों को नही मिल रहा है। इस गर्मी में लोग कई किलोमीटर की दूरी तय कर पेयजल ला रहे है।

स्थानीय लोगों का आरोप

क्षेत्रीय ग्रामीण रूक्मिणी सोनी, प्रशांत सोनी, भागवत काछी, अनिल मिश्रा ने बताया कि लगभग एक सप्ताह से नल से जल नहीं पहुंच रहा। बडी मशक्कत से पानी लाकर गूजर बसर करते हैं। पानी सप्लाय करने वाले को फोन करते हैं तो पेमेंट नहीं मिला बहाना कर फोन काट देता है। हम सब ग्रामीण पानी के संकट से जूझ रहे।

टंकी सप्लायर को पांच माह से नहीं मिला वेतन

जानकारी के अनुसार नल मिशन अंतर्गत लगभग दर्जनों गांव के टंकी सप्लायर 5 महीने से पेमेंट नहीं मिलने से नाराज हैं, जिससे पानी का सप्लाई बंद कर दी। इस संबंध में प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश यादव से फोन पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत को हैंडओवर कर दिया गया है। स्थानीय ग्राम पंचायत पानी की सप्लाय प्रतिदिन चालू करवाए, ग्राम पंचायत सरपंच व सचिव ने साफ शब्दों में पानी सप्लाई हैंडओवर लेने से मना कर दिया।

ठेकेदार ने कार्य पूरा नहीं किया

सरपंच और सचिव का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा नहीं किया गया। कई जगह स्टैंड टोटी नहीं लगी तो कहीं जगह आज भी सीसी सड़क में कांक्रीट नहीं डाली गई। ठेकेदार कार्य पूरा कराए तभी हम हैंडओवर लेंगे।

टंकी सप्लायरों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को पत्र सौंपा

नल जल गांव में टंकी सप्लाय संघ बनाकर रामकरण माझी सुनील बर्मन राहुल प्रजापति बालचरण यादव भाईया लाल पंकज सुशील सहित लगभग दर्जनों भर से ज्यादा सप्लायर ने जनसुनवाई कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिले के कलेक्टर को पत्र सौंपकर मांग की है कि चार महीने का बकाया वेतन भुगतान करवाया जाए, साथ ही मानदेय बढ़ाने सहित अन्य बिंदुओं पर पत्र सौंपकर कार्यवाही की मांग की है।

सन रिसॉर्ट से 17 बोतल अवैध शराब जब्त

चिल्हारी। अवैध मदिरा विक्रय एवं संग्रहण के विरूद्ध कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सवित्री भगत के मार्गदर्शन में वृत्त मानपुर अंतर्गत सन रिर्साट में इंद्रपाल सिंह द्वारा अवैध रूप से मदिरा संग्रहित किया जाना पाए जाने पर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में इंद्रपाल के कब्जे से 17 बोतल विदेशी मदिरा जब्त की गई। इसका अनुमानित मूल्य रूपये 22,500 है। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी के नेतृत्व में की गयी।

चयनित छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आईटीआई कौशल कॉलेज सरदारपुर के लिए 31 छात्राओं किया गया चयन

डिंडौरी , नवभारत 9 अप्रैल। तकनीकी शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा पैन आईआईटी एल्युमिनी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित परम फाउंडेशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को औद्योगिक प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष पहल की जा रही है।

इसी पहल के अंतर्गत डिंडौरी में आयोजित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर जिले की 31 छात्राओं का चयन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिंडोरी श्री दिव्यांशु चौधरी एवं जिला परियोजना प्रबंधक (एनआरएलएम) अर्पना पांडे द्वारा चयनित छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मैन्युफैक्चरिंग आईटीआई कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी

इस अवसर पर प्रदान संस्था की 'युवा शास्त्र' टीम से मुस्कान, परम फाउंडेशन के क्षेत्रीय समन्वयक राहुल रंजन सिंह, जिला समन्वयक नवीन चौहान, सहयोगी संस्था प्रदान के सदस्यगण एवं छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। चयनित छात्राएं एक वर्षीय मैन्युफैक्चरिंग आईटीआई कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी।

रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा

प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उन्हें परम कौशल कॉलेज के प्लेसमेंट नेटवर्क के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। क्षेत्रीय समन्वयक राहुल रंजन सिंह ने जानकारी दी कि अब तक डिंडौरी, मंडला एवं बालाघाट जिलों की 100 से अधिक छात्राओं को इस पहल के माध्यम से प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रदान किया जा चुका है। आने वाले समय में इस संख्या में और वृद्धि की जाएगी।

निर्माणाधीन नाली में गिरी गाय, ग्रामीणों ने बचाई जान

नेशनल हाईवे किनारे चल रहा निर्माण कार्य सवालों के घेरे में

करंजिया, नवभारत 9 अप्रैल। जनपद मुख्यालय करंजिया में नेशनल हाईवे किनारे चल रहा निर्माण कार्य एक बार फिर लापरवाही के कारण सवालों में है। नाली निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में एक गाय गिर गई, जिसे स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता और कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया।

घटना थाना परिसर के पास की है, जहां नाली निर्माण के चलते सड़क किनारे गहरी खुदाई की गई है। लेकिन सुरक्षा के नाम पर न तो बैरिकेडिंग की गई और न ही कोई चेतावनी संकेत लगाए गए। इसी लापरवाही के बीच आज एक गाय अनियंत्रित होकर सीधे गड्ढे में जा गिरी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय निवासी रामलाल साहू और सुनील शर्मा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देर किए अन्य ग्रामीणों को बुलाया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रस्सियों और स्थानीय संसाधनों की मदद ली गई। संकरी और गहरी नाली में फंसी गाय को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, आखिरकार ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अगर थोड़ी भी देर होती तो गाय को गंभीर चोट लग सकती थी।

निर्माण एजेंसी पर फूटा गुस्सा

घटना के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य करा रही एजेंसी पर जमकर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि — जहां-जहां नाली निर्माण पूरा हो चुका है, वहां तुरंत गड्ढों की पटाई (भराई) की जाए। खुले गड्ढों को बिना सुरक्षा छोड़ना सीधे-सीधे हादसों को न्योता देना है । यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या निर्माण कार्यों में सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है? आज एक मवेशी गड्ढे में गिरा है, कल कोई राहगीर या बच्चा भी इसका शिकार हो सकता है।

अनियमितताएं

मानपुर जनपद के ग्राम पंचायतों में निविदा प्रक्रिया और कई मुद्दों पर उठ रहे सवाल

समय से पहले टेंडर जारी करने और मिलीभगत के आरोप

चिल्हारी नवभारत 9 अप्रैल। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली 84 ग्राम पंचायतों में निविदा प्रक्रिया को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

सरपंच एवं सचिवों पर आरोप है कि उन्होंने वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व ही फरवरी माह 2026 में निविदाएं जारी कर दीं, जो शासन के निर्धारित नियमों के विपरीत बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश शासन के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायतों का वार्षिक वित्तीय सत्र 31 मार्च को समाप्त होता है तथा 1 अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ होता है। सामान्यत: निविदा प्रक्रिया मार्च के अंतिम सप्ताह से अप्रैल माह के बीच, ग्राम पंचायत की सहमति प्रस्ताव बैठक के बाद ही संपन्न की जाती है।

एक ही माध्यम को टेंडर देने के आरोप

सूत्रों के मुताबिक, कई ग्राम पंचायतों में निविदा प्रकाशन के लिए पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि निविदाएं व्यापक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के बजाय केवल एक ही माध्यम (समाचार पत्र/पत्रकार) को दी गईं, जबकि तीन अखबारों में ग्राम पंचायत का निविदा प्रकाशन होना अनिवार्य है एवं कम से कम तीन लोगों के द्वारा ग्राम पंचायत में कार्य करने के लिए टेंडर प्रक्रिया निर्धारित होनी चाहिए, इससे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

कमीशनखोरी की भी चर्चा

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि टेंडर प्रकाशन के एवज में निर्धारित प्रक्रिया से हटकर भुगतान किया गया, जिसमें कमीशनखोरी की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन मामले ने प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता को लेकर बहस तेज कर दी है।

जांच और निरस्तीकरण की उठाई मांग

मामले को लेकर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग उठ रही है। स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों, विशेष रूप से कलेक्टर धरणेन्द जैन एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से अनुरोध किया गया है कि वर्ष 2026 की सभी निविदाओं की प्रक्रिया की जांच कराई जाए। साथ ही, यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित निविदाओं को निरस्त करने की कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है

शीघ्र ही टीम गठित कर उपरोक्त कार्यों की जांच करवाकर नियमों के तहत कार्यवाही की जायेगी।

प्रत्यूश श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर एवं मानपुर सीइओ